

राज्यपाल सचिवालय, बिहार
(जन–सम्पर्क शाखा)
बिहार लोक भवन, पटना–800022

प्रेस–विज्ञप्ति

संख्या–235/2026

खुदाबख्श लाइब्रेरी की विरासत को अधिकाधिक लोगों तक पहुँचाएँ–राज्यपाल

पटना 02 नवम्बर, 2026 :– माननीय राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल सय्यद अता हसनैन (सेवानिवृत्त) ने खुदाबख्श ओरिएंटल पब्लिक लाइब्रेरी, पटना से संबंधित एक बैठक में लाइब्रेरी में उपलब्ध दुर्लभ पांडुलिपियों और पुस्तकों का विभिन्न भाषाओं में अनुवाद कराने का निर्देश दिया। उन्होंने लाइब्रेरी को अन्य संस्थानों और राज्य के सभी पुस्तकालयों से जोड़ने, रिक्त पदों को भरने के लिए आवश्यक कार्रवाई करने तथा पटना संग्रहालय के साथ मिलकर काम करने को भी कहा।

बैठक में लाइब्रेरी के निदेशक ने बताया कि यहाँ प्रतिदिन करीब 150 लोग आते हैं। इस पर राज्यपाल ने पटना संग्रहालय के साथ समन्वय स्थापित करने को कहा ताकि आगंतुकों की संख्या में वृद्धि हो सके।

राज्यपाल ने कहा कि बिहार म्यूजियम विश्वस्तरीय संग्रहालय है और इसकी चर्चा पूरी दुनिया में है। इसी तरह खुदाबख्श ओरिएंटल पब्लिक लाइब्रेरी भी बिहार की एक महत्वपूर्ण ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक धरोहर है। यहाँ बड़ी संख्या में दुर्लभ पांडुलिपियाँ और महत्वपूर्ण पुस्तकें उपलब्ध हैं। इनके बारे में अधिक से अधिक लोगों को जानकारी मिलनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि इन पुस्तकों का विभिन्न भाषाओं में अनुवाद होने से देश–विदेश के लोग भी इनके विषयवस्तु और ऐतिहासिक महत्व को समझ सकेंगे। उन्होंने कहा कि राज्य के विभिन्न पुस्तकालयों के साथ कनेक्टिविटी स्थापित होने से ज्ञान एवं सूचना का आदान–प्रदान सुगम होगा तथा पुस्तकालय की समृद्ध विरासत को व्यापक जनसमुदाय तक पहुँचाने में मदद मिलेगी। इससे शोधार्थियों, विद्यार्थियों, इतिहासकारों एवं साहित्यप्रेमियों को भी विशेष लाभ होगा।

राज्यपाल ने लाइब्रेरी की संस्थागत क्षमता को सुदृढ़ करने के लिए रिक्त पदों को भरने हेतु जरूरी कदम उठाने तथा देश के अन्य प्रमुख संस्थानों के साथ सहयोग बढ़ाने पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि इस ऐतिहासिक धरोहर को सुरक्षित रखने के साथ–साथ इसका व्यापक प्रचार–प्रसार भी जरूरी है, ताकि इसकी समृद्ध विरासत और ज्ञान का लाभ अधिक से अधिक लोगों तक पहुँच सके।

इस अवसर पर बिहार लोक भवन के पदाधिकारीगण एवं अन्य लोग भी उपस्थित थे।

.....